केंद्रीय विद्यालय संगठनज , जयपुर संभाग

तृतीय पूर्व परिषदीय परीक्षा 2020-21

विषय हिन्दी कोड : 302

कक्षा -12

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक :80**

सामान्य निर्देश -

- इस प्रश्न - पत्र में दो खंड हैं-**खंड अ" और ब"** | **खंड अ" में वस्तुपरक** तथा **खंड ब" में वर्णात्मक प्रश्न** पूछे गए हैं |
- **खंड अ"** में **कुल 6 प्रश्न** पूछे गए हैंदिए गए निर्देशों का | जिनमें कुछ प्रश्नों में विकल्प भी हैं , | पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए
- **खंड ब"** में **कुल 8 प्रश्न** पूछे गए हैंदिए गए निर्देशों का | जिनमें कुछ प्रश्नों में विकल्प भी हैं , | पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए

	खंड - अ वस्तुपरक प्रश्न	
	अपठित गदयांश	
प्रश्न-1	**दिए गए अपठित गद्यांश में से किसी <u>एक गद्यांश</u> को ध्यानपूर्वक पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए-**	10
	मेरे विचार से सफलता प्राप्त करने के लिए जिन गुणों या वृत्तियों का होना आवश्यक है वे हैं-परिश्रम, प्रसन्नता, प्रेम व पवित्रता । हम इनमें से सर्वप्रथम वृत्ति अर्थात काम करने की लगन या परिश्रम को लेते हैं । कहा गया है कि काम ही भगवान की भक्ति है इसका अभिप्राय यह है कि जब हम काम में लीन होतें है तो अपने आस - पास की सभी वस्तुओं के बारे में भूल जातें हैं, तभी काम में हमारी लगन के कारण हमें सफलता प्राप्त होती है। यह भी आवश्यक है कि परिश्रम या काम नि:स्वार्थ भाव से अर्थात बिना फल की प्राप्ति की इच्छा से किया जाना चाहिए । गीता का सर्वप्रसिद्ध श्लोक कर्मण्येवाधिकारस्तु मा फलेषु कदाचन" इसी सत्य का द्योतक है। हम काम अथक व निर्बाध भाव से इस प्रकार करें, जिस प्रकार सरिता या नदी हर मौसम में बिना आराम किए अपने मार्ग के पत्थरों को काटती हुई चली जाती है। सूर्य भी फल की इच्छा के बगैर हर समय अपना प्रकाश फैलाता रहता है। हमें भी मन सदैव शांत रखना चाहिए। काम को ही आराम समझते हुए अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते जाना ही सफलता का पहला रहस्य है । दूसरा साधन है -प्रसन्नता । जीवन में संघर्ष , बाधाएँ आती रहती हैं, परंतु धैर्यवान व्यक्ति हमेशा प्रसन्न रहता है । हमें हर समय प्रसन्न , मुस्कराते हुए रहने की आदत डालनी चाहिए। प्रभु पर अटूट विश्वास रखते हुए बिना किसी भय ,चिंता या दु:ख के अपने काम में प्रसन्नतापूर्वक जुटे रहना तथा अपने मस्तिष्क को सदैव शांत रखना ही प्रसन्न रहने की कुंजी है। प्रसन्नता को कठिनाइयों या दु:खों की बेदी पर	10x1=10

	बलिदान करना आत्मघात के समान है।	
	निम्नलिखित निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए।	
i	परिश्रम का क्या अर्थ है ? i- काम करने का तरीका ii- कार्य करने की लगन iii- कार्य को निर्धारित करना iv- कार्य की योजना बनाना	1
ii	भक्ति की क्या विशेषता बताई गई है ? i- काम में हमारी लगन के कारण हमें सफलता प्राप्त होती है । ii- नि: स्वार्थ भाव से कार्य करना iii- मन सदैव शांत रखना iv- काम में लीन होना	1
iii	कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन" से क्या तात्पर्य है ? i-लाभ को ध्यान में रखकर कार्य करना ii-लाभ का ध्यान किए बिना कार्य करना iii-बिना लाभ के कार्य नहीं करना करना iv-इनमें से कोई नहीं	1
iv	सफलता प्राप्त करने के लिए कौन से गुण आवश्यक हैं? i- परिश्रम ii- प्रसन्नता iii- पवित्रता iv- सभी।	1
v	नदी और सूर्य को देखकर हमें क्या शिक्षा मिलती है? i-सदैव आगे बढ़ने की ii-परिश्रम करने की iii-निस्वार्थ भाव से मेहनत करने की iv- प्रसन्न रहने की	1
vi	कार्य करने का सही तरीका क्या बताया गया है? i- मुस्कराते रहने की आदत डालनी चाहिए। ii- प्रभु पर अटूट विश्वास रखते हुए बिना किसी भय, चिंता या दु: ख के अपने काम करना	1

	iii- हमें हर समय प्रसन्न रहना चाहिए iv- हमें भी मन सदैव शांत रखना चाहिए।	
vii	धैर्यवान व्यक्ति की क्या विशेषता बताई गई है ? i-निर्वाध भाव से कार्य करने की ii-संघर्षशील iii-प्रसन्न रहना iv-चिंता या दु:ख में रहना	1
viii	आत्मघात के समान किसे माना गया है? i- मुस्कराते हुए रहने की आदत ii-खुशियों को मुसीबतों के कारण खत्म करना iii- लाभ को ध्यान में रखकर कार्य करना iv- काम को ही आराम समझते हुए अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते जाना	1
ix	नि:स्वार्थ शब्द का अर्थ निम्न में से है ? i-निम्न स्वार्थ ii-स्वार्थपूर्ण iii-बिना स्वार्थ के iv-बिना कार्य के	1
x	उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए। i- जीवन में संघर्ष ii- फल की इच्छा iii- सफलता iv- भगवान की भक्ति	1
	अथवा	
	गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए :- 'गोदान' प्रेमचंद जी की अमर कृतियों में से एक हैं, जिसमें ग्रामीण भारत की आत्मा का करुण चित्र साकार होउठा है। इसी कारण कई मनीषी आलोचक इसे ग्रामीण भारतीय परिवेशगत समस्याओं का महाकाव्य मानते हैं, तो कई विद्वान इसे ग्रामीण-जीवन और कृषि-संस्कृति का शोकगीत स्वीकारते हैं। कुछ विद्वान तो ऐसे भी हैं कि जो इस उपन्यास को ग्रामीण भारत की आधुनिक 'गीता' तक स्वीकार करते हैं, जो कुछ भी हो,'गोदान' वास्तव में मुंशी प्रेमचंद का एक ऐसा उपन्यास है जिसमें आचार-विचार, संस्कार और प्राकृतिक परिवेश,जो गहन करुणा से युक्त है, प्रतिबिंबित हो उठा है। डॉक्टर गोपाल राय का कहना है कि 'गोदान' ग्राम-जीवन और ग्रामसंस्कृति को उसकी संपूर्णता में प्रस्तुत करने वाला अद्वितीय उपन्यास है, न केवल हिंदी के वरन् किसी भी भारतीय भाषा के किसी भी उपन्यास में ग्रामीण समाज का ऐसा व्यापक यथार्थ और सहानुभूतिपूर्ण चित्रण नहीं हुआ है। ग्रामीण जीवन और संस्कृति के अंकन की दृष्टि से इस उपन्यास का वही महत्त्व है, जो युग जीवन की अभिव्यक्ति की दृष्टि से महाकाव्यों का हुआ करता था। इस प्रकार डॉ. राय गोदान को आधुनिक युग का महाकाव्य ही नहीं स्वीकारते, वरन् सर्वश्रेष्ठ	

	महाकाव्य भी स्वीकारते हैं। उनके इस कथन का यही आशय है कि प्रेमचंद जी ने ग्राम-जीवन से सम्बद्ध सभी पक्षों का न केवल अत्यंत विशद चित्रण किया है, वरन् उनकी गहराइयों में जाकर उनके सच्चे चित्र भी प्रस्तुत कर दिए हैं। प्रेमचंद जी ने जिस ग्राम-जीवन का चित्र गोदान में प्रस्तुत किया है,उसका संबंध आज के ग्रामीण परिवेश से न होकर, तत्कालीन ग्राम-जीवन से है। ग्रामीण जीवन को वास्तविक आधार प्रदान करने के लिए प्रेमचंद जी ने चित्र के अनुरूप ही कुछ ऐसे खाँचे अथवा चित्रफलक निर्मित किए हैं,जो चित्र को यथार्थ बनाने में सहयोगी सिद्ध हुए हैं। ग्रामीण किसानों के घर-द्वार, खेत-खलिहान और प्राकृतिक दृश्यों का ऐसा वास्तविक चित्रण अन्यत्र दुर्लभ है।	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए :-	
i	गोदान की विधा क्या है? (i) काव्य ग्रंथ (ii) उपन्यास (iii) कथाकृति (iv) महाकाव्य	1
ii	'गोदान' को किसने महाकाव्य माना है? (i)डॉ. रामलाल शर्मा ने (ii) डॉ. गोपाल राय ने (iii) उपर्युक्त दोनों ने (iv) इनमें से कोई नहीं	1
iii	'गोदान' के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा कथन असत्य है? (i) इसमें ग्रामीण प्रवेश का चित्रण है। (ii) इसमें कृषकों की समस्याओं का चित्रण है। (iii) इसमें प्राकृतिक दृश्यों का चित्रण नहीं है | (iv) इसमें ग्राम्य जीवन की सभी पहलुओं का चित्रण है।	1
iv	गोदान को निम्नलिखित में से क्या नहीं कहा गया है? (i)महाकाव्य (ii) गीता (iii)कृषि संस्कृति का शोकगीत (iv) खण्डकाव्य	1
v	'विशदता' से क्या तात्पर्य है? (i) विस्तृत रूप से (ii) विशालता सहित (iii) परिपूर्णता (iv) इनमें से कोई नहीं	1
vi	महाकाव्य में कौन सा समास है? (i) अव्ययीभाव समास (ii) तत्पुरुष समास (iii) द्वंद्व समास (iv) कर्मधारय समास	1
vii	गोदान को ग्रामीण जीवन का महाकाव्य कहने का क्या तात्पर्य है? (i) गोदान में ग्रामीण जीवन के सभी पहलुओं का विस्तृत चित्रण हुआ है। (ii) गोदान ग्रामीण जीवन का काव्य ग्रंथ है। (iii) गोदान ग्रामीण जीवन के सभी काव्य-ग्रंथों में श्रेष्ठ है। (iv) उपर्युक्त में से कोई नहीं।	1
viii	'गोदान' शब्द से क्या तात्पर्य है? (i) जमीन का दान (ii) गाय का दान (iii)कुछ वस्तु का दानकरना (iv) धन का दान	1

ix	‘गोदान’ के पक्ष में कौन-सा कथन असत्य है? (i) गोदान ग्राम संस्कृति की संपूर्णता को उजागर करता है। (ii) गोदान में चित्रित ग्राम-जीवन का संबंध आज के ग्रामपरिवेश से न होकर तत्कालीन ग्राम जीवन से है। (iii) गोदान में शहर की चकाचौंध से विमुख मनुष्यता का चित्रण किया गया है। (iv) गोदान में ग्रामीण किसानों के घर-द्वार व आस-पास के परिवेश के चित्र खींचे गए हैं।	1
x	‘गोदान’ उपन्यास किसकी रचना है? (i) जयशंकर प्रसाद की (ii) धर्मवीर भारती की (iii) हरिशंकर परसाई की (iv) प्रेमचंद की	1
प्रश्न-2	**दिए गए अपठित पद्यांश में से किसी एक पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए।** “ बार बार आती है मुझको, मधुर याद बचपन तेरी। गया ले गया, तू जीवन की सबसे मस्त खुशी मेरी। चिंता रहित खेलना खाना, वह फिरना निर्भय स्वच्छंद। कैसे भूला जा सकता है, बचपन का अतुलित आनंद। रोना और मचल जाना भी, क्या आनंद दिखलाते थे। बड़े-बड़े मोती-से आँसू , जयमाला पहनाते थे। मैं रोई,माँ काम छोड़कर आई, मुझको उठा लिया। झाड़-पोंछकर चूम-चूमकर, गीले गालों को सुखा दिया। आजाबचपन! एक बार फिर, दे दे अपनी निर्मल शांति, व्याकुल व्यथा मिटाने वाली, वह अपनी प्राकृत विश्रांति। वह भोली-सी मधुर सरलता, वह प्यारा जीवन निष्पाप। क्या फिर आकर मिटा सकेगा, तू मेरे मन का संताप? मैं बचपन को बुला रही थी, बोल उठी बिटिया मेरी। नंदनवन-सी फूल उठी, वह छोटी-सी कुटिया मेरी। ‘माँ ओ!’ कहकर बुला रही थी, मिट्टी खाकर आई थी। कुछ मुँह में कुछ लिए हाथ में, मुझे खिलाने आई थी। पुलक रहे थे अंग,दृगों में कौतूहल था छलक रहा। मुँह पर थी आह्लाद-लालिमा, विजय गर्व था झलक रहा। मैंने पूछा,‘यह क्या लायी?’ बोल उठी,माँ काओ! हुआ प्रफुल्लित हृदय खुशी से, मैंने कहा, तुम्हीं खाओ! पाया मैंने बचपन फिर से, बचपन बेटी बन आया। उसकी मंजुमूर्ति देखकर, मुझमें नवजीवन आया॥”	5X1=5
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए :-	
i	कवयित्री को बार-बार किसकी याद आ रही है? (i)युवाकाल के जीवन की (ii)बचपन की मधुर याद (iii)जीवन खूब निराला है (iv)मन का संताप	1

ii	कवयित्री के रोने पर क्या होता था? (i)घर के सभी लोग दौड़कर आ जाते थे। (ii)माँ काम छोड़कर कवयित्री को गोद में उठा लेती थी। (iii)सभी लोग परेशान हो जाते थे (iv)इनमें से कोई नहीं	1
iii	जयमाला कौन पहनाते थे? (i)माता-पिता (ii)रोना और खेलना (iii)बड़े-बड़े मोती से आँसू (iv)कोई नहीं	1
iv	बिटिया कवयित्री को क्या खिलाने आई थी ? (i)रोटी (ii)मिठाई (iii)मिट्टी (iv)बिस्किट	1
v	बचपन की सबसे मस्त खुशी क्या होती है? (i)चिंता रहित खेलना (ii)माता का प्रेम (iii) स्वच्छंद और निर्भय जीवन (iv)ये सभी	1
	अथवा	
	पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :- "एक दिन, जब मैं संध्या को आँगन में टहल रहा था, - तब सहसा मैंने देखा, उससे हर्ष विमूढ़ हो उठा मैं विस्मय से ! देखा,आँगन के कोने में कई नवागत छोटे-छोटे छाता ताने खड़े हुए हैं! छाता कहूँ कि विजय पताकाएँ जीवन की, या हथेलियाँ खोले थे वे नन्हीं, प्यारी, जो भी हो, वह हरे-हरे उल्लास से भरे, पंख मारकर उड़ने को उत्सुक लगते थे, डिंब तोड़कर निकले चिड़ियों के बच्चों-से ! निर्निमेष, क्षण भर,मैं उनको रहा देखता, सहसा मुझे स्मरण हो आया, - कुछ दिन पहले, बीज सेम केरोपे थे मैंने आँगन में, और उन्हीं से बौने पौधों की यह पलटन, मेरी आंखों के सम्मुख अब खड़ी गर्व से, नन्हे नाटे पैर पटक, बढ़ती जाती है! तब से उनको रहा देखता धीरे-धीरे,	

	अनगिनती पत्तों से लद,भर गई झाड़ियाँ, हरे-भरे टंग गए कई मखमली चंदोवे, बेलें फैल गयीं बलखा,आँगन में लहरा, और सहारा लेकर बाड़े की पट्‌टी का, हरे-हरे सौझरने फूट पड़े ऊपर को, ओह! समय पर उनमें कितनी फलियाँ फूटी, कितनी सारी फलियाँ, कितनी प्यारी फलियाँ, पतली चौड़ी फलियाँ, उफ! उनकी क्या गिनती लंबी-लंबी अँगुलियों-सी नन्हीं-नन्हीं तलवारों-सी पन्ने के प्यारे हारों-सी झूठ न समझें चंद्रकलाओं-सी नित बढ़तीं, सच्चे मोती की लड़ियों-सी, ढेर-ढेर खिल, झुंड-झुंड में मिलकर कचपचिया तारों-सी आह! इतनी फलियाँ टूटीं, जाड़ों भर खाईं, सुबह शाम वे घर-घर पकीं, पड़ोस पास के, जाने-अनजाने सब लोगों में बंटवाईं, बंधु-बांधवों, मित्रों, अभ्यागत,मँगतों ने, जी भर-भर दिन-रात मोहल्ले भर ने खाईं, कितनी सारी फलियाँ, कितनी प्यारी फलियाँ, यह धरती कितना देती है! धरती माता कितना देती है अपने प्यारे पुत्रों को।”	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए :-	
i	कवि संध्या के समय कहाँ टहल रहा था? (i) बगीचे में (ii)आँगन में (ii) सड़क पर (iv)मैदान में	1
ii	नन्हें पौधों को कवि ने किसकी उपमा दी है? (i)हरे पेड़ों की (ii)चिड़ियों की (iii) विजय-पताकाओं की (iv)कोई नहीं	1
iii	ऊपर बढ़ती बेलों की तुलना कवि ने किससे की है ? (i) झरनों से (ii)नदी से (ii) आँधी से (iv) तूफानों से	1
iv	कवि विस्मय से क्यों भर उठा? (i) कवि ने आँगन में साँप देख लिया था। (ii) कवि का पुराना मित्रउससे मिलने आया था। (iii) कवि के बोए हुए सेम के बीज अब छोटे पौधे बनकर बाहर आ गए थे।	1

	(iv) कवि ने आँगन में नन्हीं चिड़िया के बच्चे देख लिए थे।	
v	निर्निमेष का क्या अर्थ है? (i)शेष रहना (ii)बिना पलक झपकाए एकटक देखना (iii)निकट होना (iv)बार-बार पलक झपका कर देखना ।	1
	कार्यालयी हिन्दी और रचनात्मक लेखन	
प्रश्न-3	**निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्प का चयन कीजिए।**	5X1=5
i	हिंदी का पहला साप्ताहिक पत्र किसे माना जाता है? क- सरस्वती ख- उदंत मार्तंड ग- बंगाल गज़ट घ- नव-भारत	1
ii	उल्टा पिरामिड शैली में मुख्य समाचार लिखा जाता है । क-प्रारम्भ में ख-मध्य में ग-अंत में घ- कहीं भी लिख सकते हैं ।	1
iii	एडवोकेसी पत्रकारिता किसे कहते हैं ? क- खास मुद्दे या विचारधारा के पक्ष में जनमत बनाने ख- सनसनीखेज समाचारों से संबंधित ग- किसी विशेष क्षेत्र की विशेष जानकारी देते घ- इनमें से कोई नहीं	1
iv	पत्रकारिता का मूल तत्त्व क्या है ? क- नवीनता ख-रेखांकन और कार्टोग्राफ़ ग- महत्त्वपूर्ण लोग घ- नईं सूचनाएँ प्रदान करना	1
v	संचार के मूल तत्त्व कौन-सा हैं ? क-जनसंचार ख- शोर ग- सूचना देना घ- शिक्षित करना	1
	पाठ्य -पुस्तक	
प्रश्न-	**निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढिए ।**	

4	नौरस गुंचे पंखड़ियों की नाज़ुक गिरहें खोले हैं“ या उड़ जाने को रंगो| बू गुलशन में पर तौले हैं-” हम हों या किस्मत हो हमारी दोनों को इक ही काम मिला किस्मत हम को रो लेवे हैं हम किस्मत को रो ले हैं| जो मुझको बदनाम करे हैं काश वे इतना सोच सकें मेरा पर्दा खोले हैं या अपना पर्दा खोले हैं |	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्प का चयन कीजिए।	5X1=5
i	पखुड़ियों की विशेषता है? क-रंगीन है ख-नव रस से भरा हुआ है ग-बहुत कोमल है घ-इनमें से कोई नहीं	1
ii	कविता में उड़ने को कौन तैयार है? क-पंखुड़ियाँ ख-कवि ग-पक्षी और खुशबू घ-रंग और खुशबू	1
iii	निम्न में से कविता में किस का मानवीकरण किया गया है? क-कवि का ख-हम का ग-रोने का घ-भाग्य का	1
iv	पर्दा खोलने का अर्थ है। क- अपना काम करना ख- दूसरों की बुराई करना ग- अपना स्वभाव बताना घ- इनमें से कोई नहीं	1
v	गिरहें खोलने का अर्थ है क-गांठ खोलना ख-पर्दा खोलना ग- उड़ना घ- रंग बिरंगी पंखुड़ियाँ	1
प्रश्न-5	**निनलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढिए -** बाजार में एक जादू है वह आँख की राह काम करता है वह रूप का जादू है पर जैसे चुम्बक का जादू लोहे पर ही चलता है, वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है। जेब	

	भरी हो, मन खाली हो, ऎसी हालत में जादू का असर खूब होता है । जेब खाली पर मन भरा न हो, तो भी जादू चल ही जाएगा। मन खाली है तो बाजार की अनेक चीजों का निमंत्रण उस तक पहुच जाएगा। कहीं उस वक्त जेब भरी तब तो फिर वह मन किसकी मानने वाला है! मालुम होता है यह भी कर लू, वह भी कर लू। सभी सामान जरूरी ओर आराम को बढ़ाने वाला होता है। पर यह सब जादू का असर है। जादू की सवारी उतरी की पता चलता है कि फैंसी चीजों की बहुतायत आराम में मदद नहीं देती, बल्कि खलल ही डालती है।	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्प का चयन कीजिए।	5X1=5
i	बाजार के जादू का प्रभाव कैसे अपना असर शुरू करता है? क-सोचने पर ख-देखने से ग-बात करने से घ-पैसे से	1
ii	जादू का असर खूब होता है जब क- जेब भरी हो, मन खाली हो ख-जेब खाली पर मन भरा न हो ग- मन खाली हो घ- जेब भरी हो	1
ilii	बाजार के जादू का प्रभाव खत्म होने पर- क-अच्छा लगता है ख-आराम पहुँचने वाला है ग-शांति मिलती है घ-समस्या बढ़ाने वाली होती है	1
iv	बाजार के जादू की तुलना किससे की गई है? क-लोहे से ख-खाली मन से ग-चुंबक से घ-आँख	1
v	उपर्युक्त पंक्तियाँ(पाठ) के लेखक का क्या नाम है? क-महादेवी वर्मा ख-धर्मवीर भारती ग-रज़िया सज्जाद जाहिर घ-जैनेन्द्र कुमार	1
	पूरक पाठ्य -पुस्तक	
प्रश्न-6	**निम्नलिखित प्रश्नों में से निर्देशानुसार सबसे सटीक विकल्प का चयन कीजिए।**	10x1=10

i	सुविधाजनक और आधुनिक होते हुए भीपास हो रहे -अपने घर और विद्यालय के आस, कुछ बदलाव बुजुर्गों को अच्छे नहीं लगते। उनको ये बदलाव अच्छे न लगने के क्या कारण हो सकते हैं? क- वे परंपराओं के अनुसार चलते थे। ख- उन्हें युवा पीढ़ी पसंद नहीं है ग-अशिक्षा के कारण घ-उन्हे बदलाव पसंद	1
ii	सिल्वर वैडिंग' पाठ में 'जो हुआ होगा' वाक्य की अर्थ छवियाँ निम्न में जो नहीं है उसे छाँटिए । क- अकेलेपन के कारण ख- कोई खोज खबर लेने वाला ना हो ग- बिरादरी से घोर उपेक्षा मिली , घ- क्षय रोग से	1
ilii	यशोधर बाबू के बच्चों की कौन ?सी बातें आपत्तिजनक है- क-महत्वाकांक्षी और प्रगतिशील होना | ख-जीवन में उन्नति करना | ग-समय और सामर्थ्य के अनुसार घर में बदलाव लाना घ-रिश्तेदारोंधर्म और समाज के प्रति नकारात्मक भाव ,	1
iv	कहानी के आधार पर आंनदा के चरित्र की विशेषताएँ 'जूझ'निम्न में से नहीं है। क-पढ़ने की लालसा ख-आत्मविश्वासी एवं कर्मठ बालक ग- झगड़ालू घ- वचनबद्धता	1
v	आनन्दा के पिता की भाँति आज भी अनेक गरीब व कामगार पिता अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेजना चाहते क्यों ? आपकी दृष्टि में इसका क्या कारण है ? क- अशिक्षित होने के कारण ख- बच्चों के लड़ाई झगड़े के कारण ग- स्कूल अच्छा नहीं होने से घ- फीस ज्यादा होने के कारण	1
Vi	पोषित-सिन्धु सभ्यता की खूबी उसका सौन्दर्य बोध है जो राजपोषित न होकर समाज' था।ऐसा क्यों कहा गया है '? क- वह सबसे पुरानी सभ्यता है ख- जल निकासी की उचित व्यवस्था थी ग- वहाँ हथियारों और सेना के प्रमाण नहीं मिले घ- वहाँ व्यापार के प्रमाण मिले	1
Vii	हम सिन्धु सभ्यता को जलसंस्कृति कैसे कह सकते हैं-? क-सभी घरों में नलियां थी	1

	ख-जल की पर्याप्त व्यवस्था थी ग- कुओं का प्रबंध था घ- जल निकासी की उत्कृष्ट व्यवस्था,	
Viii	सिन्धु सभ्यता की विशिष्ट पहचान क्या है? क- एक जैसे आकार की पक्की ईटों का प्रयोग ख- नदी के किनारे बसा होना ग- जल निकासी की उत्कृष्ट व्यवस्था, घ- नगर का श्रेष्ठ नियोजन।	1
Ix	इस सभ्यता को लो?प्रोफाइल सभ्यता कहने के पीछे क्या कारण हैं- क-भव्यता का आडंबर नहीं झलकता ख-'टूटेफूटे खण्डहर- ग-गरीबी के कारण घ-सिन्धु घाटी के निवासी खेती करते थे	1
x	"ऐन की डायरी एक ऐतिहासिक दौर का जीवंत दस्तावेज है, क्योंकि क-यह विश्व युद्ध के विषय पर है ख-इसमें निजी सुखदुःख- का विवरण है ग-राजनैतिक स्थिति एवं युद्ध की विभीषिका का जीवंत वर्णन घ-हिटलर के विषय में बताया गया है ।	1
	खंड - ख वर्णनात्मक प्रश्न	
	कार्यालयी हिन्दी और रचनात्मक लेखन	**(अंक 20)**
प्रश्न-7	**निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए-** क-लॉकडाउन का समय ख-स्कूल के पुराने दिन ग- मेरी अपेक्षाएँ 2021 में	**5**
प्रश्न-8	समाज में मास्क पहनने के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए किसी दैनिक समाचार के संपादक को पत्र लिखिए । अथवा अस्पताल के प्रबंधन पर असंतोष व्यक्त करते हुए चिकित्सा| अधीक्षक को पत्र लिखिए-	**5**
प्रश्न 9	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए।**	**5**
i	कविता कैसे बनती है ?	3
	अथवा	
	कथानक किसे कहते है ?	
ii	नाटक साहित्य की अन्य विधाओं से अलग है | कैसे ?स्पष्ट कीजिए|	2

	अथवा	
	नाटक में कौन -कौन से तत्व होते है ?	
प्रश्न-10	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए।**	**5**
i	समाचार कैसे लिखा जाता है।	3
	अथवा	
	संपादकीय से क्या अभिप्राय है।	
ii	जनसंचार के प्रमुख कार्यों को लिखिए ?	2
	अथवा	
	विशेष लेखन से आप क्या समझते है ?	
	पाठ्य-पुस्तक	**(अंक 20)**
प्रश्न-11	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए ।**	**6**
i	कैमरे में बंद अपाहिज करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है,विचार कीजिए	3
ii	“कवितावली‘ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि तुलसीदास को अपने समाज की आर्थिक-सामाजिक समस्याओं को जानकारी थी?	3
iii	नयी कविता में कोष्ठकविराम चिहनों और पंक्तियों के बीच का स्थान भी कविता को , अर्थ देता है। उपर्युक्त पंक्तियों में कोष्ठक से कविता में क्या विशेष अर्थ पैदा हुआ है ? उषा कविता के आधार पर समझाइए |	3
प्रश्न-12	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए ।**	**4**
i	कविता के संदर्भ में ‘बिन मुरझाए महकने’ के माने क्या होता है ?	2
ii	कवि ने व्यक्तिगत संदर्भ में किस स्थिति को अमावस्या कहा है ?	2
iii	फिराक की रूबाईयों में आए बिंबों को स्पष्ट कीजिए ।	2
प्रश्न-13	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किंही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए ।**	**6**
i	नदियों का भारतीय सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश में क्या महत्व है ? स्पष्ट कीजिए।	3
ii	नीचे लिखे अंश में निहित अर्थ स्पष्ट कीजिए - पर गगरी फूटी की ,पानी झमाझम बरसता है ,काले मेघा दल के दल उमड़ते हैं“ फूटी रह जाती है|बैल पियासे के पियासे रह जाते हैं ,”	3
iii	पाठ में आए किरदारों के माध्यम से स्पष्ट कीजिए कि आज भी भारत और ’नमक‘ | पाकिस्तान की जनता के बीच मुहब्बत का नमकीन स्वाद घुला हुआ है	3
प्रश्न 14	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किंही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए ।**	**4**
i	भक्तिन का वास्तविक नाम क्या था?वह अपने नाम को क्यों छुपाना चाहती थी ,	2
ii	जाति-व्यवस्था को श्रम विभाजन का ही एक रूप न मानने के पीछे अबेडकर के क्या तर्क	2

	है?	
iii	महामारी फैलने के बाद गाँव में सूर्योदय और सूर्यास्त के दृश्य में क्या अंतर होता है ?	2